Damage caused by hailstorm etc. in North India

555. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:
SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI RAJNI RANJAN SAHU:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether any assessment has been made of the damage caused by hailstorm, rains and snow that lashed the northern parts of the country in March this year to standing crops and prospects of a high yield of wheat, fruits, vegetables and other crops; and

(b) if so, the details of the damage done, crop-wise and State-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) and (b) The States of Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Rajasthan have reported the following damage to the crops due to hailstorms in the month of February-March, 1993:

Uttar Pradesh: Crop damage varying frof 5—100 per cent in 18 districts.

Madhya Pradesh: Crop damaged in 3.85 lakh hect. with an estimated value of Rs. 64.58 crores, in 34 districts.

Rajasthan: The district-wise details as reported by the State Government with regard to crop damage are as under:

Bharatpur: Crop damaged in 1767 hectare.

Jaipur: Rs. 82.58 lakhs (value of crop damaged).

Nagpur: Rs. 15.88 lakhs (value of crop damaged).

Jhalawar: Crops damaged in 15190 hectares with an estimated value of Rs. 903 lakhs.

Chittorgarh: Standing crops of Opium, Gram and Corriander damaged from 10—40 per cent.

Government of Gujarat has reported that there was no loss due to hailstorm.

दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा दूध की खरीद

556. **श्री सोम पाल :**
श्री शंकर दयाल सिंह :
श्री महेन्द्र सिंह लाठर :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली दुग्ध योजना की मद-वार वर्तमान क्षमता कितनी-कितनी है और इसका वास्तविक उत्पादन कितना-कितना है ;

(ख) दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा कितना दूध सहकारी समितियों से और कितना निजी ठेकेदारों से खरीदा जा रहा है और उनके नाम क्या-क्या हैं ;

(ग) क्या मदर डेरी भी इस प्रकार सहकारी समितियों एवं निजी ठेकेदारों से दूध खरीदती है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) यदि उपर्युक्त भाग (ग) का उत्तर ना हो तो इन दोनों सहकारी उपक्रमों में भिन्न-भिन्न नीतियों के अपनाये जाने के क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलराम जाखड़) : (क) दिल्ली दुग्ध योजना की मौजूदा मदवार संस्थापित क्षमता और 1992-93 के दौरान हुआ वास्तविक उत्पादन निम्न प्रकार है:—

क्रम सं०	मद का नाम	संस्थापित क्षमता	1992-93 के दौरान हुआ वास्तविक उत्पादन
1.	दुग्ध संयंत्र	5 लाख लीटर प्रतिदिन	4.33 लाख लीटर प्रतिदिन
2.	घी	8 मीटरी टन प्रतिदिन	2.16 मीटरी टन प्रतिदिन
3.	नवनीत मक्खन	2 मीटरी टन प्रतिदिन	0.11 मीटरी टन प्रतिदिन
4.	सुत्रिवित दूध	200 थैलियां प्रति घंटा	साल के सभी 365 दिनों में प्रतिदिन 22 घंटे काम करने के आधार पर 1,45,45 थैलियां प्रति घंटा
5.	दही	शून्य	इसे शारीरिक तौर पर भरा जाता है ।

(ख) सहकारी समितियों और गैर-सरकारी ठेकेदारों से 1 जनवरी से 31 मार्च, 1993 तक दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा खरीदे गए दूध की मात्रा का ब्यौरा देने वाला एक विवरण संलग्न है (**नीचे देखिए**) ।

(ग) और (घ) मदर डेरी केवल राज्य सहकारी डेयरी संघों से ही दूध प्राप्त करती है, न कि गैर सरकारी ठेकेदारों से।

(ङ) मदर डेरी अपना सारा दूध सहकारी डेयरी संघों से प्राप्त करती है, ताकि किसानों के अपने स्वामित्व वाली सहकारी समितियों के विकास को बढ़ावा दिया जा सके ।

विवरण

सरकारी समितियों और गैर-सरकारी ठेकेदारों से दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा खरीदे जा रहे दूध की मात्रा अलग-अलग उनके नामों के साथ

सहकारी क्षेत्र

(क) राज्य डेयरी संघ

(1) प्रादेशिक सहकारी डेयरी संघ लिमिटेड, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) (2) राजस्थान सहकारी डेयरी संघ लिमिटेड, जयपुर । (3) हरियाणा डेयरी विकास सहकारी संघ लिमिटेड, चण्डीगढ़ । (4) पंजाब राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड, चण्डीगढ़ ।	113323 कि० ग्रा प्रतिदिन

(ख) स्थानीय सहकारी समितियां दिल्ली

(1) कोंडली सहकारी समिति (2) मिलन सहकारी समिति (3) कालकाजी सहकारी समिति (4) गढ़ी मेंडु सहकारी समिति (5) आदर्श सहकारी समिति (6) भारत सहकारी समिति (7) रतन सहकारी समिति (8) जमुनापार सहकारी समिति (9) गोल्डन सहकारी समिति (10) शिव शक्ति सहकारी समिति (11) दिल्ली राज्य संघ	19385 कि० ग्राम प्रतिदिन

(ग) गैर-सरकारी ठेकेदार

(1) प्रकाश डेयरी (2) नानक फूड इण्डस्ट्रीज (3) सुखबीर सिंह दिल्ली डेयरी (4) जेबी आइस क्रीम प्लान्ट (5) नानक डेयरी प्लान्ट (6) पारस फूड (7) नागर दुग्ध उत्पादन	147152 कि० ग्राम प्रतिदिन

Pesticide contamination in milk and milk products

557. SHRI VIREN J. SHAH:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:
SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI RAJNI RANJAN SAHU:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that alarmingly high levels of pesticide contamination in milk and milk products have been found, as reported in the Pioneer of March 30, 1993;

(b) if so, what are the details in this regard;

(c) what are the details of studies conducted by the Indian Agriculture Research Institute and the Agricultural Universities of Gujarat, Haryana, and other Universities in this regard;

(d) what is the existing Government machinery for checking the use of toxic chemicals in agriculturla and dairy products; and

(e) what preventive and remedial steps Government have so far taken to check the pesticide contemination in milk and milk products and save the people from its adverse effects?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) to (e) The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.